व्यंकटेश महाजन वरिष्ठ महाविद्यालय, धाराशिव

हिंदी विभाग

वार्षिक प्रतिवेदन

शैक्षणिक वर्ष २०२३-२४

१) **' इतिहास : भारतीय दृष्टि ' ग्रंथ का विमोचन (१२ मई २०२३) :-**

डॉ. विनोदकुमार वायचळ लिखित एवं पुनरुत्थान विद्यापीठ प्रकाशित ग्रन्थ ' इतिहास : भारतीय दृष्टि ' का विमोचन दि. १२ मई २०२३ के दिन प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रशांत चौधरी जी, इतिहास विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. जयश्री कुलकर्णी जी, राजनीतिशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रा. दिनकर रासवे जी, समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रा. अशोक गोरे जी, मराठी विभागाध्यक्ष डॉ. सहदेव रसाळ जी के करकमलों से किया गया।

२) **सह केंद्र प्रमुख के रूप में कार्य (१३ से २७ जून २०२३) :-**

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर के परीक्षा केंद्र के. टी. पाटील औषध निर्माणशास्त्र महाविद्यालय, धाराशिव में हिंदी विभाग अध्यक्ष डॉ. विनोदकुमार वायचळ ने सह केंद्र प्रमुख के रूप में कार्य किया।

३) **नवनियुक्त सहायक प्राध्यापक का स्वागत (१४ जून २०२३) :-**

व्यंकटेश महाजन वरिष्ठ महाविद्यालय धाराशिव के हिंदी विभाग में नवनियुक्त सहायक प्राध्यापक डॉ. बनसिंग बाबुसिंग भोई सर का स्वागत प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रशांत चौधरी जी के करकमलों से किया गया।

४) **फेसबुक लाइव व्याख्यान ' शाकुंतलातील लोकोत्तर पिता-पुत्री सम्बन्ध ' (२२ जून २०२३) :-**

भारतीय शिक्षण प्रसारक संस्था संचलित स्वातंत्र्यवीर सावरकर महाविद्यालय, बीड के संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित फेसबुक व्याख्यानमाला में प्रा. डॉ. विनोदकुमार वायचळ का 'शाकुंतलातील लोकोत्तर पिता-पुत्री सम्बन्ध ' इस विषय पर व्याख्यान सम्पन्न हुआ। सूत्र संचलन संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. सचिन कंदले जी ने किया।

५) **सेट परीक्षा उत्तीर्ण पूर्व छात्रा का सत्कार (२८ जून २०२३) :-**

सुश्री. स्वाति हिराजी देडे अधिव्याख्याता पद के लिए अनिवार्य परीक्षा सेट (हिंदी) उत्तीर्ण होने पर व्यंकटेश महाजन वरिष्ठ महाविद्यालय में उनका सत्कार किया गया।

६) **पूरक पाठ्यक्रम का आयोजन (१-१५ जुलाई २०२३) :-**

बी. ए. प्रथम वर्ष हिंदी (ऐ.) के २८ छात्रों के लिए पूरक पाठ्यक्रम 'हिंदी भाषा एवं साहित्य : सामान्य परिचय' का आयोजन किया गया।

७) **मुंशी प्रेमचंद जयन्ती राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न (३१ जुलाई २०२३) :-**

पूना महाविद्यालय, पुणे, व्यंकटेश महाजन वरिष्ठ महाविद्यालय, धाराशिव और के. जी. कॉलेज, पाम्पाडी, केरल के संयुक्त तत्वावधान में मुंशी प्रेमचंद जी की जयन्ती के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी 'मुंशी प्रेमचंद व्यक्तित्व एवं कृतित्व' शीर्षक ऑनलाइन-ऑफलाइन का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र का प्रास्ताविक उपप्राचार्य डॉ. इम्तियाज़ आगा ने किया। प्रमुख अतिथि प्राचार्य डॉ. मिनी जोसेफ ने संगोष्ठी को बधाई दी। अध्यक्ष प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रशांत चौधरी ने उद्घाटन सत्र का अध्यक्षीय समापन किया।

इसके उपरांत प्रेमचंद का जीवन परिचय प्रा. डॉ. विनोदकुमार वायचळ ने प्रस्तुत किया। प्रा. डॉ. मोहम्मद शाकीर शेख जी, प्राचार्य डॉ. आफ़ताब शेख जी , प्रा. जावेद अख्तर जी और डॉ. प्रिया ए. जी आदि के व्याख्यान सम्पन्न हुए।

८) **समाज कार्य महाविद्यालय में साक्षात्कार संपन्न (४ अगस्त २०२३) :-**

समाज कार्य (बी. एस. डब्ल्यू. एवं एम्. एस. डब्ल्यू.) महाविद्यालय. धाराशिव में हिंदी विषय के अध्यापकों के साक्षात्कार के लिए विषयतज्ञ के रूप में प्रा. डॉ. विनोदकुमार वायचळ ने कार्य किया।

९) **श्री समर्थ महाविद्यालय, रूईभर में साक्षात्कार संपन्न (१९ अगस्त २०२३) :-**

श्री समर्थ महाविद्यालय. रूईभर, जि. धाराशिव में हिंदी विषय के अध्यापकों के साक्षात्कार के लिए विषयतज्ञ के रूप में प्रा. डॉ. विनोदकुमार वायचळ ने कार्य किया।

१०) **व्यंकटेश महाजन वरिष्ठ महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय वेब संगोष्ठी संपन्न (१४ सितम्बर २०२३) :-**

व्यंकटेश महाजन वरिष्ठ महाविद्यालय, धाराशिव में राष्ट्रीय हिंदी दिन १४ सितम्बर २०२३ के अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय वेब संगोष्ठी का आयोजन किया गया। महाविद्यालय का रजत जयन्ती वर्ष, महर्षि दयानंद सरस्वती जी की २०० वी जयंती एवं हैदराबाद मुक्ती संग्राम के ७५ वर्ष तथा राष्ट्रीय हिंदी दिन के उपलक्ष्य में प्रस्तुत अंतर्राष्ट्रीय वेब संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी का शीर्षक 'महर्षि दयानंद की विचारधारा से प्रभावित हिंदी भाषी आर्य समाजी कार्यकर्त्ताओं का हैदराबाद मुक्ति संग्राम में योगदान' निश्चित किया गया।

इस अवसर पर संयोजक डॉ. विनोदकुमार वायचळ ने अपनी प्रस्तावना में महाविद्यालय के रजत जयन्ती समारोह का मार्गक्रमण बताते हुए संगोष्ठी की प्रासंगिकता स्पष्ट की। तदुपरांत विषय प्रवर्तक प्रा. डॉ. राम जाधव जी (उमरगा) ने हैदराबाद मुक्ति संग्राम में आर्य समाजी कार्यकर्ताओं का योगदान स्पष्ट किया। विशेष वक्ता प्रा.

श्री. प्रवीण जाहुरे जी (उदगीर) ने धाराशिव तथा लातूर जिले के आर्य समाजाचे स्वाधीनता संग्राम में स्थित योगदान को विशद किया।

प्रमुख वक्ता डॉ. रामचंद्र पाटील जी (लंदन, इंग्लैंड) ने महर्षि दयानंद सरस्वती जी की विचारधारा का सार प्रस्तुत किया। साथ ही हैदराबाद मुक्ति संग्राम के प्रथम हुतात्मा वेदप्रकाश आर्य जी की शौर्यगाथा भी प्रस्तुत की ।

प्रमुख अतिथि प्रो. डॉ. उदय नारायण गंगू (मॉरिशस) यांनी हैदराबाद मुक्ति संग्राम के सेनानी स्वामी स्वतन्त्रानंद आणि पं. नरेंद्र जी की मॉरिशस यात्रा की यादें ताजा की। साथ ही भारतीय स्वातंत्र्य संग्राम के लिए विदेशों में रहते हुए काम करनेवाले आर्य समाजी कार्यकर्ताओं की भूमिका विशद की।

इसके उपरांत आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ समन्वयिका प्रो. डॉ. अर्चना राजेंद्र बनाळे जी ने राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता ' महर्षि दयानंद की विचारधारा से प्रभावित हिंदी भाषी आर्य समाजी कार्यकर्त्ताओं का हैदराबाद मुक्ति संग्राम में योगदान ' के पुरस्कारों की घोषणा की।

अध्यक्षीय समापन प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रशांत चौधरी जी ने किया। सूत्रसंचालन डॉ. बनसिंग भोई जी ने किया। तो डॉ. संजय जोशी जी ने कृतज्ञता ज्ञापन किया। प्रस्तुत संगोष्ठी का आयोजन गूगल मीट एवं यू-ट्यूब के मध्याम से किया गया। इस संगोष्ठी का लाभ यू-ट्यूब के माध्यम से २०० से भी अधिक विद्वान प्रतिभागियों ने लिया।

११) **राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता (१४ सितम्बर २०२३) :-**

राष्ट्रीय हिंदी दिन के उपलक्ष्य में आयोजित राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता 'महर्षि दयानंद की विचारधारा से प्रभावित हिंदी भाषी आर्य समाजी कार्यकर्त्ताओं का हैदराबाद मुक्ति संग्राम में योगदान' में सर्व प्रथम श्री. अखिल सौड़ाई, उत्तरकाशी (उत्तराखंड), सर्व द्वितीय श्री. सूरज कुमार यादव, वर्धा (महाराष्ट्र) और सर्व तृतीय सुश्री. वबिता कुमारी यादव, एटा (उत्तर प्रदेश) को क्रमश: ₹ २००१/- , ₹ १५०१/- और ₹ १००१ /- एवं ई-प्रमाणपत्र प्रदान किये गये । इन पुरस्कारों की घोषणा आतंरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ की समन्वयक प्रो. डॉ. अर्चना बनाळे जी ने की।

१२) **भित्तिपत्रक का विमोचन (१७ सितम्बर २०२३)** :-

हैदराबाद मुक्ति संग्राम दिन १७ सितम्बर २०२३ के दिन संस्था के कोषाध्यक्ष श्री. शेषाद्रि डांगे जी और प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रशांत चौधरी जी के करकमलों से हिंदी विभाग के भित्तिपत्रक का विमोचन किया गया।

१३) **फेसबुक लाइव कथा कथन ' उम्मीद की लौ ' (१९ सितम्बर २०२३) :-**

फेसबुक कथामला में प्रा. डॉ. विनोदकुमार वायचळ 'उम्मीद की लौ ' इस विषय पर कथा प्रस्तुत की। सूत्र संचलन डॉ. देविदास बामने जी ने किया।

१४)**हिंदी पखवाडा समापन पर सत्कार (दि. ३० सितम्बर २०२३) :-**

हिंदी पखवाड़ा के समापन के अवसर पर प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रशांत चौधरी जी, आतंरिक गुणवत्ता सुनिश्चय प्रकोष्ठ समन्वयिका प्रो. डॉ. अर्चना बनाळे जी, हिंदी विभाग के अध्यापक प्रा. डॉ. विनोदकुमार वायचळ जी, प्रा. डॉ. संजय जोशी जी और प्रा. डॉ. बनसिंग भोई जी का स्मृतिचिह्न देकर सत्कार किया गया।

१५) **अभ्यास परीक्षाओं का आयोजन (५ — ९ अक्तूबर २०२३) :-**

बी. ए. / बी. एस्सी./ बी. कॉम. के छात्रों के लिए अभ्यास परीक्षाओं का आयोजन किया गया।

१६) **विश्वविद्यालय परीक्षा प्रश्नपत्र निर्धारण कार्य में सहभाग (२५-२६ अक्तूबर २०२३) :-**

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर के हिंदी विषय के प्रश्नपत्रों का निर्धारण करने हेतु कार्य में प्रा, डॉ. विनोदकुमार वायचळ ने सहभाग लिया।

१७) **साहित्यरत्न अलंकरण पुरस्कार (२५ दिसंबर २०२३) :-**

राष्ट्रीय शिक्षक संचेतना, उज्जैन द्वारा भारतरत्न पं. अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्मदिन पर प्रा. डॉ. विनोदकुमार वायचळ को सम्मानित किया गया।

१८) **'कितने पाकिस्तान' की प्रासंगिकता' विषय पर व्याख्यान (दि. ४ जनवरी २०२४) :-**

परिसर फाऊंडेशन, धाराशिव आयोजित डॉ. राणू कदम स्मृति व्याख्यान के रूप में 'कमलेश्वर रचित उपन्यास 'कितने पाकिस्तान' की प्रासंगिकता' विषय पर डॉ. विनोदकुमार वायचळ ने अपने विचार प्रस्तुत किये। दि. ४ जनवरी २०२४ गुरुवार रात ९.०० से १०.३० तक संपन्न इस व्याख्यान के शंका-समाधान सत्र में गुरुवर प्राचार्य प्रो. डॉ. सुभाष राठोड जी, प्रो. डॉ. अशोक मर्डे जी, डॉ. संभाजी निकम जी, डॉ. महादेव खोत जी, डॉ. कन्नूलाल विटोरे जी, डॉ. संतोष भड जी, डॉ. राजश्री तावरे जी, डॉ. सत्यवान म्हस्के जी, डॉ. निशा ढोले जी और डॉ. सहेर राहत जी (कराची, पाकिस्तान) आदि ने सहभाग लिया। कार्यक्रम का प्रास्ताविक, सूत्रसंचालन और कृतज्ञता ज्ञापन कविवर्य श्री. सुदेश इंगळे जी ने किया।

१९) **अंतर्राष्ट्रीय वेब संगोष्ठी (दि. १० जनवरी २०२४) :-**

व्यंकटेश महाजन वरिष्ठ महाविद्यालय, धाराशिव की स्थापना के रजत जयंती वर्ष, महर्षि दयानन्द सरस्वती की २०० वीं जन्म जयंती, आर्य समाज स्थापना के १५०, हैदराबाद मुक्तिसंग्राम के ७५ वर्ष एवं विश्व हिंदी दिन के उपलक्ष्य में हिंदी विभाग तथा आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेब संगोष्ठी "महर्षि दयानंद सरस्वती जी और आर्य समाज के विचारधारा का भारतीय साहित्य पर प्रभाव " दि. १० जनवरी २०२४ (बुधवार) दोपहर ३.०० से सायंकाल ५.०० बजे तक गूगल मीट और यू-ट्यूब के आभासी पटल पर संपन्न हुई।

प्रस्तावना में संयोजक प्रा. डॉ. विनोदकुमार विलासराव वायचळ ने हिंदी साहित्य के आधुनिक काल जी पृष्ठभूमि प्रस्तुत की।

प्रमुख वक्ता के रूप प्रो. डॉ. मंजुलता विद्यार्थी जी (अकोला, महाराष्ट्र) ने अपने शोधप्रबंध 'महर्षि दयानंद की हिंदी साहित्य को देन' के आलोक में चर्चा करते हुए भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावादी युग और छायावादोत्तर युग की परिस्थितियों का वर्णन करते हुए आर्य समाज के प्रभाव को अधोरेखित किया।

विशेष वक्ता के रूप में श्री. तेजपाल सिंह धामा जी (सुप्रसिद्ध लेखक, बागपत, उत्तर प्रदेश) ने अपने विस्तृत विवेचन में समस्त उत्तर भारत में महर्षि दयानंद सरस्वती जी और आर्य समाज के प्रभाव को साहित्यिक उद्धरणों के माध्यम से अभिव्यक्त किया।

तदुपरांत प्रमुख अतिथि के रूप पं. भुवन दत्त जी (फीजी) ने फीजी, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड के हिंदी साहित्य पर महर्षि दयानंद सरस्वती और आर्या समाज के प्रभाव को रेखांकित किया।

इसके उपरांत आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ समन्वयिका प्रो. डॉ. अर्चना राजेंद्र बनाळे जी ने राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता ' महर्षि दयानंद सरस्वती जी और आर्य समाज की विचारधारा का भारतीय साहित्य पर प्रभाव ' के पुरस्कारों की घोषणा की।

अध्यक्षीय समापन में प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रशांत गुणवंत चौधरी जी ने वक्ताओं के व्याख्याओं का सार प्रस्तुत किया।

सूत्रसंचालन एवं कृतज्ञता ज्ञापन डॉ. संजय व्यंकटराव जोशी ने किया। तो वक्ताओं का परिचय प्रा. डॉ. विनोदकुमार वायचळ ने किया ।

२०) **राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता (१० जनवरी २०२४) :-**

राष्ट्रीय हिंदी दिन के उपलक्ष्य में आयोजित राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता 'महर्षि दयानंद सरस्वती जी और आर्य समाज की विचारधारा का भारतीय साहित्य पर प्रभाव' में सर्व प्रथम श्री. सुन्दर सोनी, हिसार (हरियाणा), सर्व द्वितीय सुश्री. अस्मिता लहू मेंढे, धाराशिव (महाराष्ट्र), सर्व तृतीय सुश्री. रहीमबी कुरेशी, नागपुर (महाराष्ट्र) को क्रमश: ₹ २००१/- , ₹ १५०१/- और ₹ १००१ /- एवं ई-प्रमाणपत्र प्रदान किये गये। साथ ही सांत्वनापरक तीन पुरस्कार क्रमश: श्री. अनिकेत सिन्हा, हैदराबाद (तेलंगना), सुश्री. अन्नू सांगवान, हिसार (हरियाणा) और श्रीलक्ष्मी के. मधु, कोत्तमंगलम (केरल) हर एक को ₹ ५०१/- और ई-प्रमाणपत्र इन पुरस्कारों की घोषणा आतंरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ की समन्वयक प्रो. डॉ. अर्चना बनाळे जी ने की।

२१) **भित्तिपत्रक का विमोचन (२६ जनवरी २०२४)** :-

राष्ट्रीय प्रजासत्ताक दिन २६ जनवरी २०२४ के दिन संस्था के कोषाध्यक्ष श्री. शेषाद्रि डांगे जी और प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रशांत चौधरी जी के करकमलों से हिंदी विभाग के भित्तिपत्रक का विमोचन किया गया।

२२) **महर्षि दयानंद सरस्वती द्विशताब्दी स्मरणोत्सव में सहभाग (९ — १३ फरवरी २०२४) :-**

महान समाज सुधारक एवं भारतीय राष्ट्रवाद के प्रणेता महर्षि दयानंद सरस्वती जी की २०० वीं जन्म जयन्ती के उपलक्ष्य में उनकी जन्मभूमि टंकारा, राजकोट (गुजरात) में आयोजित द्विशताब्दी स्मरणोत्सव में प्रा. डॉ. विनोदकुमार वायचळ ने सहभाग लिया।

२३) **मुक्तानंद महाविद्यालय, गंगापुर में व्याख्यान (२६ फरवरी २०२४) :-**

मराठवाडा शिक्षण प्रसारक मंडळ संचलित मुक्तानंद महाविद्यालय, गंगापुर जि. छत्रपति संभाजीनगर में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-२०२० : भाषाओं की भूमिका' विषय पर प्रा, डॉ. विनोदकुमार वायचळ का व्याख्यान संपन्न हुआ।

२४) अभ्यास परीक्षाओं का आयोजन (१५ — १६ मार्च २०२४) :-

बी. ए. / बी. एस्सी./ बी. कॉम. के छात्रों के लिए अभ्यास परीक्षाओं का आयोजन किया गया।

२५) नैक पीअर टीम के सम्मुख प्रस्तुतिकरण (१९-२० अप्रैल २०२४) :-

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद, बंगलौर की पीअर टीम के सम्मुख हिंदी विभागाध्यक्ष के रूप में प्रा. डॉ. विनोदकुमार वायचळ ने शक्ति बिंदु प्रस्तुतीकरण किया।